सफलता के लिए *करियर काउंस्लिंग, मेंटरिंग और कंसलटेंसी* क्यों जरूरी है?

अगर आप विधार्थी हैं तो –

- शैक्षिक जिंदगी की उलझनों को सुलझाने में सहायक
- जब आप कक्षा 10 पास कर लेते हैं, तो उचित संकाय के चयन में सहायक
- जब आप कक्षा 12 पास कर लेते हैं, तो उचित विषय के चयन में सहायक
- कौन सी डिग्री, कहां से की जाए? जैसे सवालों का समाधान
- कॉलेज के दौरान मिलने वाली चुनौतियों के समाधान में सहायक
- कॉलेज शिक्षा से जुड़ी आपकी वित्तीय आवश्यकताओं को समझने और उन्हें सुलझाने में सहायक

अगर आप स्नातक (ग्रेजुएट) हैं तो –

- शैक्षिक और व्यावसायिक उलझनों को सुलझाने में सहायक।
- आपकी शैक्षिक पृष्ठभूमि को उन्नत करने और उसे प्रभावी व लक्ष्य आधारित बनाने में सहायक।
- गलत विषय के चयन जैसी समस्याओं को सुलझाने में सहायक।
- आपकी उच्च/व्यावसायिक शिक्षा संबंधी वित्तीय आवश्यकताओं संबंधी हल तलाशने में सहायक।

अगर आप व्यावसायिक (प्रोफेशनल) एवं नौकरीपेशा या नौकरी की तलाश में हैं तो –

- काममाज के लिए सही और उपयुक्त संस्था के चयन में सहायक।
- कामकाजी जिंदगी को संतुष्टि प्रदान करने में सहायक।
- आपके कामकाजी क्षेत्र में अनुकूल सफलता में सहायक।
- आपकी उपार्जन क्षमता को विकसित करने में सहायक।

अगर आप उद्यमी (एंटरप्रेन्योर) या व्यापारी हैं तो –

- व्यवसाय में आप बेहद सफल उद्यमी कैसे बनें की संभावनाओं को तलाशने में सहायक।
- उद्यमिता के आपमें मूल भाव, नजरिए को खोजने, तलाशने में सहायक।
- महिलाओं के लिए सफल उद्यमी बनने की सफल संभावनाओं को तलाशने में सहायक।
- सफल उद्यमी बनने के लिए मार्गदर्शन और परामर्श के साथ चरणबद्ध तरीके से उद्यमिता में सफलता सुनिश्चित करने में सहायक।